बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बाँदा (उ.प्र.)

बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बाँदा, उ०प्र० के बुन्देलखण्ड क्षेत्र में वर्ष 2010 में उ० प्र० शासन द्वारा स्थापित किया गया था। वर्तमान में विश्वविद्यालय में छः महाविद्यालयों (कृषि, उद्यान, वानिकी, सामुदायिक विज्ञान, खाद्य प्रौद्योगिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी) में विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र बाँदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, झाँसी, ललितपुर, चित्रकूट एवं प्रयागराज जनपदों तक है। इस क्षेत्र में फसलों में शोध व प्रसार कार्यों हेतु विश्वविद्यालय द्वारा 07 कृषि विज्ञान केन्द्र, 05 शोध केन्द्र संचालित किये जा रहे है। कम समयावधि में ही विश्वविद्यालय ने शिक्षा, शोध व प्रसार क्षेत्र में व्यापक ख्याति प्राप्त की है। आगामी सत्र से विश्वविद्यालय में पशु चिकित्सा महाविद्यालय भी प्रारम्भ करने की तैयारी है।

बाँदा जनपद का परिचय

जनपद बांदा भारत के उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थित केन नदी के तट पर बसा एक प्रमुख ऐतिहासिक शहर एवं चित्रकूट धाम मण्डल मुख्यालय है। बाँदा महर्षि वामदेव की तपोभूमि है। केन नदी में पाया जाने वाला शजर पत्थर विश्व ख्याति प्राप्त है। बाँदा के चारों तरफ अनेक पर्यटन स्थल हैं। चित्रकूट यहां से लगभग 70 किमी, कालिंजर लगभग 65 किमी, खजुराहो लगभग 140 किमी, पन्ना 120 किमी है। सामान्यतः फरवरी माह में इस क्षेत्र का औसत तापमान 15–20 डिग्री तक रहता है।

आयोजन स्थल कैसे पहुँचे

बाँदा सड़क व रेलमार्ग से दिल्ली, लखनऊ, कानपुर, झाँसी व प्रयागराज से जुड़ा हुआ है। विश्वविद्यालय परिसर बाँदा रेलवे स्टेशन से लगभग 06 कि०मी० की दूरी पर स्थित है। निकटतम् हवाई अड्डा चित्रकूट लगभग 70 कि०मी०, कानपुर लगभग 140 कि०मी० व लखनऊ 210 कि०मी० पर स्थित है।

प्रो. एस.वी.एस. राजू
कुलपति

डा. एन. के. बाजपेयी
निदेशक प्रसार
मो.नं.: 8003618990, 8058598235

सम्पर्क सूत्र

डा. नरेन्द्र सिंह, सह-निदेशक प्रसार
मो.नं.: 9415176268, 7905894044

डा. भानु प्रकाश मिश्रा, विभागाध्यक्ष, कृषि प्रसार
मो.नं.: 9436206367, 9962506121

डा. वी. के. गुप्ता, सहायक निदेशक प्रसार
मो.नं.: 9450682216, 8840283165

डा. मयंक दुबे, सहायक निदेशक प्रसार
मो.नं.: 9414433144, 8303070709

डा. पंकज कुमार ओझा, सहायक प्राध्यापक, कृषि प्रसार
मो.नं.: 9794408077, 7355373981

प्रसार निदेशालय
बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बाँदा-210001 (उ.प्र.)
Email : raf.buat@gmail.com, buat.dee@gmail.com

उत्तर क्षेत्रीय किसान मेला

26–28 फरवरी, 2026

कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र में आर्थिक सशक्तीकरण एवं समृद्धि के लिये नवाचार

Banda University of Agriculture & Technology Banda (U.P.) India

आयोजक

बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
बाँदा-210001 (उ.प्र.)

प्रायोजक

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

उत्तर क्षेत्रीय

किसान मेला

बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बाँदा (उ.प्र.)

26-28 फरवरी, 2026

"कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र में आर्थिक सशक्तीकरण एवं समृद्धि के लिये नवाचार"

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 में उत्तरी क्षेत्र (उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर व दिल्ली) क्षेत्रीय किसान मेला आयोजित करने हेतु बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बाँदा, उ0प्र0 का चयन किया गया है। इस किसान मेला का आयोजन 26-28 फरवरी, 2026 में प्रस्तावित है। जिसमें उपरोक्त सभी 07 प्रदेशों के कृषकों, अन्य हितधारकों, सभी राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय कृषि शोध संस्थाओं, कृषि विश्वविद्यालयों, निवेश विस्तरण संस्थाओं, सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों एवं जन प्रतिनिधियों की सहभागिता रहेगी।

तीन दिवसीय किसान मेला में लगभग 10000-12000 कृषकों की सहभागिता संभावित है। मेले में 05 तकनीकी सत्रों के माध्यम से नवीनतम कृषि आयामों पर कृषक समुदाय को जानकारी दी जायेगी। एक वृहद कृषि प्रदर्शनी का भी आयोजन सुनिश्चित है, जिसमें लगभग 100-150 विभिन्न स्टालों के माध्यम से राष्ट्रीय व प्रदेश स्तरीय शोध संस्थाओं, कृषि विश्वविद्यालयों, शासकीय विभागों, निवेश उत्पादक व विपणन संस्थाओं, एफ0पी0ओ0, स्वयं सहायता समूहों व कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कृषि की नवीनतम् तकनीकियों, निवेश, बैंकिंग, कृषि उत्पादों, नवीनतम मशीनों आदि की जानकारी प्रदर्शित की जायेगी। इसके अलावा फसल, फल, फूल, सब्जी व पशु प्रतियोगिताओं का भी आयोजन होगा, जिसमें सभी विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया जायेगा।

उत्तर प्रदेश के बुन्देलखण्ड परिक्षेत्र के अन्तर्गत सात जिले बाँदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, झाँसी, ललितपुर एवं चित्रकूट आते हैं जो धार्मिक, सांस्कृतिक व ऐतिहासिक दृष्टिकोण से बहुत सम्पन्न है। चित्रकूट अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का धार्मिक केन्द्र है। यहाँ के महोबा, झाँसी व कालिंजर क्षेत्रों का विशेष ऐतिहासिक महत्व है। यहाँ की बुन्देली संस्कृति, आल्हा गायन, लोकनृत्य व लोकगीतों की अपनी एक अलग पहचान भी है।

कृषि उत्पादन व कृषि उद्योगों की दृष्टि से यह क्षेत्र अविकसित है किन्तु औषधि उत्पादन एवं दलहन उत्पादन में इस क्षेत्र का विशेष महत्व है। यह क्षेत्र खनन (बालू, गिट्टी, सजर पत्थर, माइका) के लिये ख्याति प्राप्त है। चित्रकूट में लकड़ी, खिलौने, मूर्तियाँ व ललितपुर में दरजीरी साड़ियों का व्यापार महत्वपूर्ण है।

यह तीन दिवसीय मेला उत्तरी क्षेत्र के राज्यों में कृषि विकास के अलावा कृषि उद्योगों, कृषि निवेश व विपणन में गति प्रदान करने में अवश्य सहायक होगा।

प्रमुख विषय वस्तु

- कृषि समृद्धि का आधार
- श्री अन्न फसलें
- प्राकृतिक खेती
- पशुपालन
- उन्नत सिंचाई तकनीकी
- प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन
- एग्री स्टार्टअप
- कृषि निर्यात हेतु FPO की उपयोगिता
- कृषि आधारित उद्यम

मुख्य आकर्षण

विभिन्न श्रेणियों में मेला प्रायोजकों हेतु दरें

	डायमण्ड	गोल्ड	सिल्वर
मुख्य प्रायोजक	₹ 2.5 लाख	₹ 2.0 लाख	₹ 1.5 लाख
लंच/डिनर प्रायोजक	₹ 2.5 लाख	₹ 2.0 लाख	₹ 1.5 लाख

गतिविधियाँ / प्रतियोगिता प्रायोजक	₹ 50 हजार
प्रदर्शनी व स्टॉल हेतु बुकिंग	₹ 5 हजार

मेला स्मारिका हेतु विज्ञापन की दरें

कवर रंगीन	
प्रथम पेज के पीछे (इनर फ्रंट) पूर्ण पृष्ठ	30 हजार
अन्तिम पेज के पीछे (इनर बैक) पूर्ण पृष्ठ	28 हजार
अन्दर के पेज	
बीच के पेज में पूर्ण पृष्ठ (रंगीन)	25 हजार
बीच के पेज में आधा पृष्ठ (रंगीन)	15 हजार
बीच के पेज में चौथाई पृष्ठ (रंगीन)	10 हजार
बीच के पेज में पूरा पृष्ठ (श्वेत श्याम)	08 हजार
बीच के पेज में आधा पृष्ठ (श्वेत श्याम)	05 हजार

- स्टॉल 10X10 (फीट) का, 2 कुर्सी एवं 2 टेबल (कवर सहित) के साथ पूरी मेला अवधि के लिये रु. 5000/- में उपलब्ध रहेगा।
- ओपन स्पेस रु. 10/ प्रति वर्ग फीट की दर से पूरी मेला अवधि के लिये उपलब्ध रहेगा।
- बुकिंग बैंक ड्राफ्ट - वित्त नियंत्रक, बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बाँदा को देय होगा। राशि का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से भी किया जा सकता है।

ऑनलाइन भुगतान हेतु विवरण

बैंक	: पंजाब नेशनल बैंक
शाखा	: मवई बुजुर्ग, बाँदा
खाता संख्या	: 7439000100023779
IFSC Code	: PUNB0743900